Babosa Mhara Aao Ni Sa Bhajan Lyrics in Hindi English with Meaning

Babosa Mhara Aao Ni Sa Bhajan Lyrics in Hindi

बाबोसा म्हारा आओ नी सा,
पधारो नी म्हारे देश।।

बाट निहारु आपरी,
तो तरस रहिया म्हारा नैन,
वेगा पधारो बाबोसा,
नही था बिन म्हाने चेन,
बाबोसा म्हारा आओ नी,
पधारो नी म्हारे देश।।

कठे इतणी देर लगाई हो बाबोसा,
भगत रहवे कय्या दूर,
हो माह सगला री अरज है थांसु,
दर्शन देवो बाबोसा हो,
थारे बिन सुणो म्हारो,
मन रो मन्दिरयो,
रहसी कय्या तू महासू दूर हो।।

थांसु मिलण रो चाव घनेरो,
आवे थारी ओल्यु बाबोसा हो,
“दिलबर” करे थांसु अर्ज बाबोसा,
भगत रहवे कंय्या दूर हो,
कठे इतणी देर लगाई हो बाबोसा,
भगत रहवे कय्या दूर।।

बाबोसा म्हारा आओ नी सा,
पधारो नी म्हारे देश।।

Babosa Mhara Aao Ni Sa Bhajan Lyrics in English

Babosa mhara aao ni sa,
Padharo ni mhare desh.

Baat niharu aapari,
To taras rahiya mhara nain,
Vega padharo Babosa,
Nahi tha bin mhane chain,
Babosa mhara aao ni,

Padharo ni mhare desh.

Kathe itni der lagai ho Babosa,
Bhagat rahve kayya door,
Ho mah sagla ri arj hai thansu,
Darshan devo Babosa ho,
Thare bin suno mharo,
Man ro mandiryo,
Rahsi kayya tu mahasu door ho.

Thansu milan ro chaav ghanero,
Aawe thari olyu Babosa ho,
“Dilbar” kare thansu arj Babosa,
Bhagat rahve kayya door ho,
Kathe itni der lagai ho Babosa,
Bhagat rahve kayya door.

Babosa mhara aao ni sa,
Padharo ni mhare desh.

Meaning of Babosa Mhara Aao Ni Sa Bhajan in English

This bhajan is a heartfelt plea from a devotee to Babosa, requesting Him to come and bless their land with His divine presence. The devotee eagerly waits, constantly watching the path with longing eyes, feeling restless in Babosa’s absence. They express how their heart’s temple feels empty without Him. The song beautifully conveys the emotions of deep devotion, faith, and yearning. The devotee questions why Babosa is taking so long to arrive and prays for His quick darshan. The repetition of “Padharo ni mhare desh” (Come to my land) emphasizes the devotee’s deep desire to be in Babosa’s divine presence.

बाबोसा म्हारा आओ नी सा भजन का अर्थ हिंदी में

यह भजन एक भक्त की भावपूर्ण प्रार्थना है, जिसमें वह बाबोसा से अपने देश में आने और अपने दिव्य आशीर्वाद से सबको कृतार्थ करने की विनती करता है। भक्त बड़ी तड़प और अधीरता से बाबोसा के आगमन की राह देखता है, उनकी अनुपस्थिति में बेचैनी महसूस करता है। भजन में यह दर्शाया गया है कि बिना बाबोसा के, भक्त का मन मंदिर सूना हो गया है। वह पूछता है कि बाबोसा को आने में इतनी देर क्यों लग रही है और प्रार्थना करता है कि वे जल्द ही दर्शन दें। “पधारो नी म्हारे देश” की पुनरावृत्ति इस बात को दर्शाती है कि भक्त कितनी गहरी श्रद्धा और प्रेम से बाबोसा के आने की प्रतीक्षा कर रहा है।